P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-6* ISSUE-6* February (Part2) * 2019
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

थानागाजी तहसील में अनुसूचित जाति एवं जनजाति के सकेन्द्रण का विश्लेषणात्मक अध्ययन

सुभाष चन्द खटीक
सहायक आचार्य
भूगोल विभाग,
राजकीय महाविद्यालय,
प्रतापगढ़, राजस्थान, भारत

विजय कुमार वर्मा
सह आचार्य,
भूगोल विभाग,
बा.शो.रा. राजकीय कला महाविद्यालय,
अलवर, राजस्थान, भारत

सारांश

प्रस्तुत शोध पत्र में अलवर जिले के थानागाजी तहसील में अनुसूचित जाति एवं जनजाति के वितरण का विश्लेषणात्मक अध्ययन किया गया है। आज हमारे देश में आजादी के 70 वर्ष बाद भी ग्रामीण क्षेत्रों में अनुसूचित जाति व जनजाति की स्थिति बहुत दयनीय है। यह विकास की मुख्यधारा में भी शामिल नहीं हो सकी। आज भी इस वर्ग की अधिकांश जनसंख्या उपेक्षित, दलित, छुआछुत, अंधविश्वास, रूढ़िवादी, निर्धनता, बेरोजगारी, अज्ञानता से ग्रसित है। इस शोध पत्र में थानागाजी तहसील के गिरदावर सर्किलों में सांख्यिकी विधियों द्वारा अनुसूचित जाति एवं जनजाति के सकेन्द्रण एवं बिखराव का अध्ययन एवं विश्लेषण किया गया है। साथ ही अध्ययन क्षेत्र में व्याप्त अनुसूचित जाति एवं जनजाति की समस्याओं का पता लगाया गया है। साथ ही समाधान के उपाय सुझाये गये हैं।

मुख्य शब्द : अनुसूचित जाति, जनजाति, वितरण, जमींदार मीणा, चौकीदार मीणा, स्थानीयकरण भाज्य, गिरदावर सर्किल।

प्रस्तावना

भारत के बड़े अनुसूचित जाति व जनजाति वालों राज्यों में से राजस्थान भी एक है। यहाँ पर 1,22,21,593 (17.83 प्रतिशत) अनुसूचित जाति तथा 92,38,534 (13.48 प्रतिशत) अनुसूचित जनजाति निवास करती है। अध्ययन क्षेत्र थानागाजी तहसील में भी अनुसूचित जाति व जनजाति का केन्द्रण पाया जाता है। यहाँ पर अनुसूचित जाति के अन्तर्गत चमार, बैरवा, खटीक, मेघवाल, बलाई, हरिजन, रैगर, जाटव, कोली आदि मिलते है। इनका मुख्य व्यवसाय मजदूरी, कृषि, पशुपालन, सफाई आदि है सामाजिक स्तर पर आज भी इनको दलित व पिछड़ा ही माना जाता है तथा ग्रामीण क्षेत्रों में इनकी स्थिति दयनीय है। इनका बाहुल्य थानागाजी तहसील के दक्षिणी भाग में प्रमुखतया से पाया जाता है। अनुसूचित जनजाति में यहाँ मीणा जनजाति का बाहुल्य पाया जाता है। मीणा जाति के दो वर्ग है। (1) चोकीदार मीणा, (2) जमींदार मीणा। जमीदार मीणा वे है जो प्रायः खेती एवं पशुपालन का कार्य कई वर्षों से करते आ रहे है तथा चौकीदार मीणा वे मीणा है जो अपनी स्वच्छन्द प्रकृति के कारण चौकीदारी का कार्य करते थे। अध्ययन क्षेत्र के दक्षिणी व दक्षिणी–पूर्वी भागों में मीणा जनजाति निवास करती है। वर्ष 2011 में थानागाजी तहसील की कुल जनसंख्या, 2,33,395 है जिसमें अनुसूचित जाति (एस.सी.) 32801 तथा अनुसूचित जनजाति (एस.टी.) 44,642 है जो कुल जनसंख्या का क्रमशः 14.05 प्रतिशत तथा 19.12 प्रतिशत है।

शोध पत्र का उद्देश्य

1. अध्ययन क्षेत्र में अनुसूचित जाति एवं जनजाति के भौगोलिक वितरण की व्याख्या करना।
2. अनुसूचित जाति एवं जनजाति के सकेन्द्रण एवं बिखराव को सांख्यिकीय विधियों द्वारा प्रदर्शित करना।
3. अध्ययन क्षेत्र में अनुसूचित जाति एवं जनजाति की समस्याओं को इंगित करना एवं सुझाव देना।

साहित्यावलोकन

नागर,,डॉ.के. नाथ (1998)सांख्यिकी के मूल तत्त्व, मीनाक्षी पब्लिकेशन, मेरठ।

मिश्रा, आर.एन. (2002) ने "Tribal Life and habitat" में बांसवाड़ा जिले में निवास करने वाले आदिवासी जनजाति की सामाजिक व आर्थिक स्थिति की भिन्नताओं का अध्ययन किया।

चांदना, डॉ. आर.सी. (2008), जनसंख्या भूगोल, कल्याणी पब्लिकेशन, नई दिल्ली। शर्मा,डॉ. पी.एम. (2009), भूगोल में सांख्यिकीय विधियाँ, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर ।

शर्मा, रजनीश (2011) ने दौसा जिले में जनांकिकीय, सामाजिक एवं आर्थिक विकास की विद्यमान दशाओं एवं स्तरों की समीक्षात्मक एवं तुलनात्मक अध्ययन किया है।

पालीवाल, राजेश एवं यादव,डॉ. नरेन्द्र सिंह (2018) ने शोध पत्र "अलवर जिले में मानव संसाधन विकास" में वर्ष 2011 के आधार पर जिले के ग्रामीण क्षेत्र के मानव संसाधन का अध्ययन किया। यह शोध पत्र JETIR पत्रिका के दिसम्बर 2018 के अंक में प्रकाशित हुआ।

अध्ययन क्षेत्र का परिचय :–

अध्ययन क्षेत्र थानागाजी तहसील, राजस्थान के अलवर जिला के दक्षिणी–पश्चिमी भाग में स्थित है। यह क्षेत्र $27^0 6'$ उत्तरी अक्षांश से $27^0 32'$ उत्तरी अक्षांश एवं $76^0 7'$ पूर्वी देशान्तर से $76^0 25'$ पूर्वी देशान्तर के मध्य बसा है। तहसील का कुल क्षेत्रफल 1067.21 वर्ग किलो मीटर है। इसकी उत्तरी सीमा बानसूर तहसील से पूर्वी सीमा अलवर व राजगढ़ तहसील, से दक्षिणी सीमा दौसा जिला से व पश्चिमी सीमा राजस्थान की राजधानी जयपुर से लगती है। वर्ष 2011 के अनुसार थानागाजी की कुल जनसंख्या 2,33,395 है जिसमें से अनुसूचित जाति 32801 तथा जनजाति 44,642 है जो कुल जनसंख्या का क्रमशः 14.05 प्रतिशत तथा 19.12 प्रतिशत है। प्रशासनिक दृष्टि से थानागाजी तहसील को 41 पटवार मण्डलों एवं 4 गिरदावर सर्किलों (भू–अभिलेख निरीक्षक वृत्त) में बांटा गया है।

1. थानागाजी गिरदावर सर्किल
2. नारायणपुर
3. प्रतापगढ़
4. किशोरी।

तहसील में 35 ग्राम पंचायत, 4 जिला परिषद वार्ड, 21 पंचायत समिति वार्ड, है। कुल गांवों की संख्या 175 है जिनमें से 163 आबाद तथा 12 गांव गैर आबाद है। प्रस्तुत शोध पत्र में गिरदावर सर्किल के अनुसार अनुसूचित जाति एवं जनजाति के वितरण का भौगोलिक अध्ययन किया गया है।

परिकल्पना

1. अध्ययन क्षेत्र थानागाजी तहसील के उत्तरी भाग में अनुसूचित जाति एवं जनजाति का बिखरात पाया जाता है। जबकि अध्ययन क्षेत्र के दक्षिणी भाग में अनुसूचित जाति एवं जनजाति दोनों का संकेन्द्रण पाया जाता है।

अध्ययन विधितंत्र

सर्वप्रथम विषय से सम्बन्धित अध्ययन सामग्री का अध्ययन एवं विश्लेषण किया गया। वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर तहसील के सभी गिरदावर सर्किलों में अनुसूचित जाति एवं जनजाति का सकेन्द्रण एवं बिखराव सांख्यिकीय विधि स्थानीयकरण भाज्य (Location Quotient) या L.Q. द्वारा ज्ञात किया गया है। इसमें निम्न सूत्र का प्रयोग किया गया है।

$$LQi = \frac{Pij \,/\, Pi}{Pj \,/\, p}$$

यहाँ – LQi = i क्षेत्र में स्थानीयकरण भाज्य
Pij = i क्षेत्र में j श्रेणी की जनसंख्या
pi = i क्षेत्र में सभी श्रेणी की जनसंख्या
pj = सम्पूर्ण क्षेत्र में j श्रेणी की जनसंख्या
p = सम्पूर्ण क्षेत्र में सभी श्रेणियों की जनसंख्या

स्थानीयकरण भाज्य का अधिक मान सकेन्द्रण को तथा कम मान बिखराव को दर्शाता है।

अनुसूचित जाति एवं जनजाति का वितरण

थानागाजी तहसील में वर्ष 2011 में कुल जनसंख्या 2,33,395 है जिसमें से अनुसूचित जाति 32,801 है जो कि कुल जनसंख्या का 14.05 प्रतिशत है। इस अनुसूचित जाति में 17,127 पुरुष तथा 15674 महिलाये है। गिरदावर सर्किल के अनुसार अध्ययन करने पर पता चलता है कि अनुसूचित जाति के अन्तर्गत गिरदावर सर्किल थानागाजी में कुल जनसंख्या का 13.37 प्रतिशत, गिरदावर सर्किल नारायणपुर में 10.94 प्रतिशत, प्रतापगढ़ में 18.86 प्रतिशत तथा किशोरी में 15.64 प्रतिशत अनुसूचित जाति की जनसंख्या निवास करती है। अनुसूचित जनजाति के अन्तर्गत अध्ययन क्षेत्र में मीणा जनजाति का बाहुल्य है। थानागाजी तहसील में वर्ष 2011 में कुल अनुसूचित जनजाति की संख्या 44642 है जो थानागाजी की कुल जनसंख्या का 19.12 प्रतिशत है। इसमें 23578 पुरुष व 21064 महिलाये हैं।

तालिका 01

क्र. सं.	गिरदावर सर्किल	कुल जनसंख्या	अ.जा. जनसंख्या	अ.ज.जा. जनसंख्या	अ.जा. जनसंख्या प्रतिशत	अ.ज.जा. जनसंख्या प्रतिशत	स्थानीयकरण भाज्य (L.Q.) अ.जा. जनसंख्या	स्थानीयकरण भाज्य (L.Q.) अ.ज.जा. जनसंख्या
1	थानागाजी	71731	9593	6845	13.37	9.54	0.95	0.50
2	नारायणपुर	73163	8004	4204	10.94	5.74	0.78	0.30
3	प्रतापगढ़	42221	7964	13540	18.86	32.06	1.35	1.69
4	किशोरी	46280	7240	20053	15.64	43.32	1.12	2.28
5	थानागाजी तहसील	233395	32801	44642	14.05	19.12		

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-6* ISSUE-6* February (Part2) * 2019
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

स्रोत : जिला जनगणना पुस्तिका 2011

गिरदावर सर्किल स्तर पर थानागाजी में 6845 (9.54 प्रतिशत), नारायणपुर में 4204 (5.74 प्रतिशत) प्रतागढ़ में 13540 (32.06 प्रतिशत) तथा किशोरी में 20053 (43.32 प्रतिशत) अनुसूचित जनजाति निवास करती है। तालिका में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की कुल जनसंख्या एवं स्थानीयकरण भाज्य (Location Quotient) को दर्शाया गया है।

स्थानीयकरण भाज्य का मान अधिक होने पर यह सकेन्द्रण को तथा स्थानीयकरण भाज्य का मान कम होने पर यह बिखराब को प्रदर्शित करता है। अध्ययन क्षेत्र थानागाजी तहसील में अनुसूचित जाति का सर्वाधिक सकेन्द्रण गिरदावर सर्किल प्रतापगढ़ में (1.35) तथा गिरदावर सर्किल किशोरी में (1.12) है जबकि अनुसूचित जाति का सर्वाधिक बिखराव गिरदावर सर्किल नारायणपुर में (0.78) एवं थानागाजी में (0.95) है। अनुसूचित जनजाति का सर्वाधिक संकेन्द्रण गिरदावर सर्किल किशोरी में 2.28 तथा प्रतापगढ़ में (1.69) तथा सर्वाधिक बिखराव नारायणपुर में (0.30) तथा थानागाजी में (0.50) है। आरेख में थानागाजी तहसील में गिरदावर सर्किल के अनुसार अनुसूचित जाति एवं जनजाति के प्रतिशत को दर्शाया गया है।

आरेख

थानागाजी तहसील में अनुसूचित जाति एवं जनजाति जनसंख्या (%) 2011

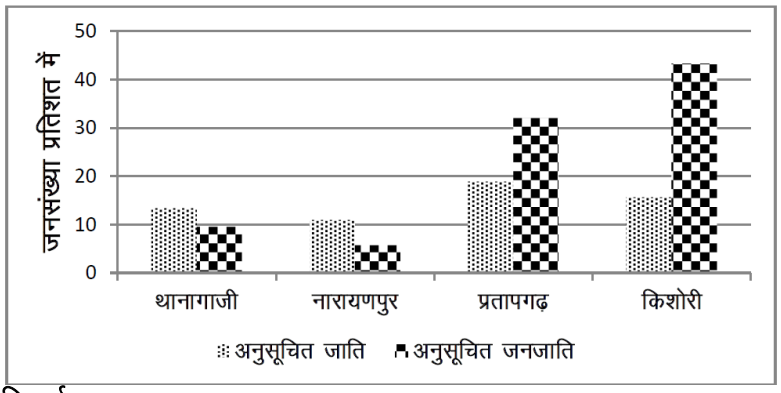

परिकल्पना परीक्षण एवं निष्कर्ष

उपरोक्त अध्ययन एवं तालिका से स्पष्ट है कि अध्ययन क्षेत्र थानागाजी तहसील के उत्तरी भाग गिरदावर सर्किल नारायणपुर एवं थानागाजी में अनुसूचित जाति एवं जनजाति दोनों का ही बिखराव है जबकि दक्षिणी भाग गिरदावर सर्किल किशोरी एवं प्रतापगढ़ में अनुसूचित जाति एवं जनजाति दोनों का ही सकेन्द्रण है।

अनुसूचित जाति एवं जनजाति की प्रमुख समस्याऐं

अध्ययन क्षेत्र थानागाजी तहसील पूर्णतः ग्रामीण क्षेत्र है और यहाँ पर एस.सी. एवं एस.टी. जनसंख्या की प्रमुख समस्यायें निम्न है –

1. छुआछुत एवं अस्पृश्यता की समस्या
2. निम्न वर्ग एवं दलितों हय दृष्टि से देखना
3. मंदिरों एवं सार्वजनिक समारोह में प्रवेश सम्बन्धि समस्या
4. जातिवाद की समस्या
5. पेयजल की समस्या
6. गरीबी की समस्या
7. बेरोजगारी की समस्या
8. कुपोषण की समस्या
9. भूखमरी की समस्या
10. साक्षरता का अत्यन्त निम्न स्तर
11. जागरूकता का अभाव
12. दुर्व्यसन एवं नशे में लिप्त
13. उच्च वर्ग द्वारा शोषण

सुझाव

1. अछूतों एवं दलितों को भी मंदिर एवं अन्य सार्वजनिक समारोह में प्रवेश दिया जाना चाहिए।
2. दलितों को उच्च वर्ग के शोषण से मुक्ती
3. अस्पृश्यता कानूनन को कठोर किया जाना आवश्यक
4. मूलभूत सुविधाओं जैसे – शुद्ध पेयजल, पौष्टिक आहार, चिकित्सा एवं शुद्ध वातावरण आदि प्रदान करना।
5. साक्षरता विस्तार हेतु विशेष अभियान की आवश्यकता
6. रोजगार उपलब्ध करवाना

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. *पंडा, बी.पी. (1998) जनसंख्या भूगोल, मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल*
2. *नागर,डॉ. के.एन. (1999), सांख्यिकी के मूल तत्व, मीनाक्षी पब्लिकेशन, मेरठ, (उत्तर प्रदेश)*
3. *चांदना,डॉ. आर.सी. (2008) जनसंख्या भूगोल, कल्याणी पब्लिकेशन, नई दिल्ली।*
4. *शर्मा,डॉ. पी.एम. (2009), भूगोल में सांख्यिकीय विधियाँ, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।*
5. *जिला जनगणना पुस्तिका– 2011*